>

Title : Situation arising due to implementation of new fertilizer policy in the country.

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ): अध्यक्ष महोदया, देश की करीब 72 फीसदी जनसंख्या खेती पर निर्भर है। उनके मसले को लेकर मैंने एक नोटिस आपको दिया था और मैं इंतजार कर रहा था कि कब आप मुझे अपनी बात कहने का अवसर देंगी।

अध्यक्ष महोदया: आप जल्दी से अपनी बात कहें।

श्री धर्मेन्द्र यादव : अध्यक्ष महोदया, आज देश की 72 फीसदी जनसंख्या कृषि के सहारे अपना जीवनयापन कर रही है। आप सभी जानते हैं कि खेती के लिए खाद की कितनी आवश्यकता है। हमारे पूर्व कई वक्ताओं ने इस पर चर्चा करके किसानों की समस्याओं के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की है। मैं उन्हीं के साथ अपने को सम्बद्ध करते हुए आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि सरकार द्वारा नई खाद नीति लागू की गई है। लेकिन पुरानी खाद नीति में अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खाद के दामों में उतार-चढ़ाव का असर हमारे किसानों पर नहीं पड़ता था। लेकिन केन्द्र की वर्तमान यूपीए सरकार किसानों के प्रति पूरी तरह से असंवेदनशील है और किसानों की चिंता नहीं कर रही है। इस सरकार ने आज देश के किसानों को

पूरी तरह से खाद का व्यापार करने वाले और खाद का उत्पादन करने वाले विदेशी व्यापारियों के ऊपर छोड़

दिया है। आज भारत सरकार का डीपीए, यूरिया से लेकर पोटाश तक जितनी भी खाद हैं, उनके दामों पर नियंत्रण करने के लिए कोई प्रणाली या पालिसी नहीं है। भारत सरकार को किसानों के हितों की कोई चिंता नहीं है। आप सभी जानते हैं कि डीजल का दाम किस तरह बढ़ाया गया है।

13.00 hrs.

अभी हमारे वरिष्ठ सांसदों ने किसानों की खरीद को लेकर चिंता व्यक्त की। वहीं दूसरी ओर खाद के ऊपर कोई नियंत्रण नहीं रहा है। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदया, आपके माध्यम से, मैं भारत सरकार से पूछना चाहता हूं कि किसानों के लिए 70 प्रतिशत, यूरिया से लेकर तमाम चीजों का जो विदेशों में उत्पादन हो रहा है, आज भी 70 प्रतिशत से ज्यादा खाद का विदेशों से आयात हो रहा है, उसके रेट्स निर्धारण की क्या प्रक्रिया है? यदि प्रक्रिया नहीं है तो मेरा खुला आरोप है कि भारत सरकार उन व्यापारियों से मिलकर देश के किसानों के साथ अन्याय का मन बना चुकी है। अगर यह सच्चाई नहीं है तो मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि सरकार अपनी स्थिति स्पष्ट करे कि आखिर क्यों कोई नियंत्रण की प्रणाली उसने विकसित नहीं की है? बहुत-बहुत धन्यवाद।